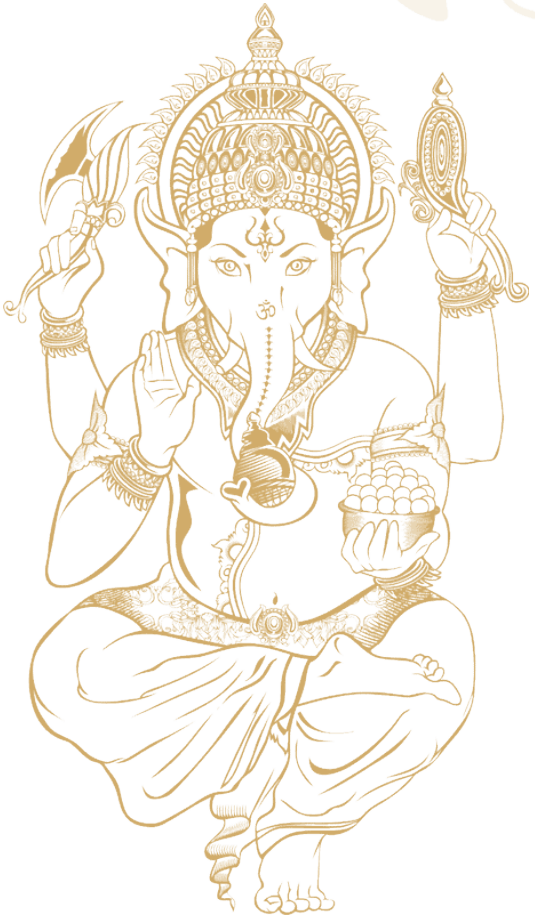

Kunal Sharma

20 Mar 2023

07:05 PM

Merta

Model: web-freekundliweb

Order No: 121163706

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**20/03/2023**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**19:05:00 घंटे**
इष्ट	31:06:42 घटी
स्थान	**Merta**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:39:00 उत्तर
रेखांश	74:07:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:33:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:31:28 घंटे
वेलान्तर	-00:07:35 घंटे
साम्पातिक काल	06:22:47 घंटे
सूर्योदय	06:38:19 घंटे
सूर्यास्त	18:44:22 घंटे
दिनमान	12:06:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	05:29:50 मीन
लग्न के अंश	10:55:02 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुभ
करण	शकुनि
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:55:02	322:54:32	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	05:29:50	00:59:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	19:38:54	14:46:56	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
मंगल			मिथु	03:28:25	00:28:11	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	मीन	08:34:43	02:00:06	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु			मीन	22:12:38	00:14:13	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	स्वराशि
शुक्र			मेष	10:11:07	01:12:05	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि			कुंभ	07:18:53	00:06:42	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मेष	10:14:09	00:05:06	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	10:14:09	00:05:06	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	सम राशि
हर्ष			मेष	22:05:09	00:02:37	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप			मीन	01:06:40	00:02:16	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	05:45:58	00:01:10	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मिथु	11:02:53	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:43

लग्न-चलित

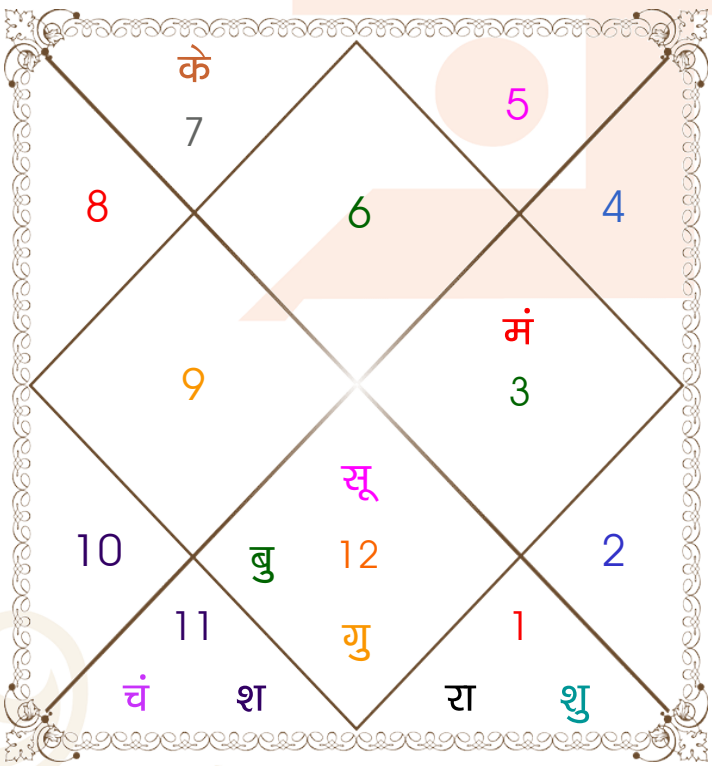

चन्द्र कुंडली

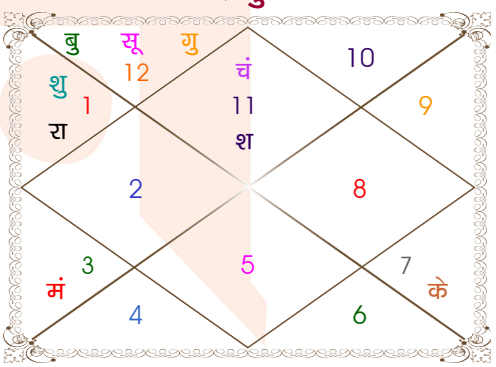

नवमांश कुंडली

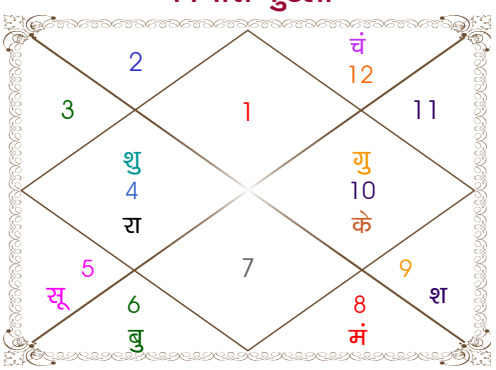

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 0 वर्ष 5 मास 21 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/03/2023		10/09/2023		10/09/2039		09/09/2058		10/09/2075	
10/09/2023		10/09/2039		09/09/2058		10/09/2075		09/09/2082	
	00/00/0000	गुरु	28/10/2025	शनि	12/09/2042	बुध	05/02/2061	केतु	06/02/2076
	00/00/0000	शनि	10/05/2028	बुध	23/05/2045	केतु	02/02/2062	शुक्र	07/04/2077
	00/00/0000	बुध	16/08/2030	केतु	01/07/2046	शुक्र	03/12/2064	सूर्य	13/08/2077
	00/00/0000	केतु	23/07/2031	शुक्र	31/08/2049	सूर्य	10/10/2065	चंद्र	14/03/2078
	00/00/0000	शुक्र	23/03/2034	सूर्य	13/08/2050	चंद्र	11/03/2067	मंगल	10/08/2078
	00/00/0000	सूर्य	09/01/2035	चंद्र	13/03/2052	मंगल	07/03/2068	राहु	28/08/2079
	00/00/0000	चंद्र	10/05/2036	मंगल	22/04/2053	राहु	25/09/2070	गुरु	03/08/2080
	20/03/2023	मंगल	16/04/2037	राहु	27/02/2056	गुरु	31/12/2072	शनि	12/09/2081
मंगल	10/09/2023	राहु	10/09/2039	गुरु	09/09/2058	शनि	10/09/2075	बुध	09/09/2082

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
09/09/2082		10/09/2102		10/09/2108		10/09/2118		10/09/2125	
10/09/2102		10/09/2108		10/09/2118		10/09/2125		21/03/2143	
शुक्र	09/01/2086	सूर्य	29/12/2102	चंद्र	11/07/2109	मंगल	07/02/2119	राहु	23/05/2128
सूर्य	09/01/2087	चंद्र	30/06/2103	मंगल	09/02/2110	राहु	25/02/2120	गुरु	17/10/2130
चंद्र	09/09/2088	मंगल	04/11/2103	राहु	11/08/2111	गुरु	31/01/2121	शनि	23/08/2133
मंगल	09/11/2089	राहु	28/09/2104	गुरु	10/12/2112	शनि	12/03/2122	बुध	11/03/2136
राहु	09/11/2092	गुरु	17/07/2105	शनि	12/07/2114	बुध	09/03/2123	केतु	30/03/2137
गुरु	11/07/2095	शनि	29/06/2106	बुध	11/12/2115	केतु	05/08/2123	शुक्र	30/03/2140
शनि	09/09/2098	बुध	06/05/2107	केतु	11/07/2116	शुक्र	04/10/2124	सूर्य	21/02/2141
बुध	11/07/2101	केतु	11/09/2107	शुक्र	12/03/2118	सूर्य	09/02/2125	चंद्र	23/08/2142
केतु	10/09/2102	शुक्र	10/09/2108	सूर्य	10/09/2118	चंद्र	10/09/2125	मंगल	21/03/2143

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 0 वर्ष 5 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों कर अध्ययन का धर्म मार्ग में प्रवीण हो गए हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगे।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति के हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकते हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगे। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगे। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगें। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगे।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगे। परन्तु जब आप एक वार अपनी जीवन संगिनी का चयन कर लेंगे तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगे। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगे। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगे। आपकी पत्नी आपके साथ एक पत्नी की अनिवार्य भूमिका अदा करेगी तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेगी। आप अपनी पत्नी के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगे। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगा। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगी।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन का अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निशचित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहते हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

आप अपनी मद्यपान करने की प्रवृति का त्याग करें। यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहते हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति के ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकते हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करते जाएंगे। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रूग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम

रोग से आक्रान्त तो नहीं होगें। परन्तु आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपका संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।